RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

# गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 162
दि. 11.10.2025,
शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

## संक्षिप्त समाचार

### वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो ने 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार जीता

वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो ने 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार जीतकर इतिहास रच दिया। नॉर्वेजियन नोबेल समिति ने 10 अक्टूबर 2025 को उनके लोकतंत्र और मानवाधिकारों के लिए अथक संघर्ष को सम्मानित किया। 58 साल की मारिया ने डोनाल्ड ट्रंप को पछाड़कर यह खिताब हासिल किया। वेनेजुएला की राजधानी कैरेकस में मारिया कोरिना मचाडो का जन्म 7 अक्टूबर 1967 को हुआ। चार बहनों में सबसे बड़ी। पिता हेनरिक मचाडो जुलोआगा (इस्पात व्यवसायी), मां कोरिना पैरिसका (मनोवैज्ञानिक)।

## तालिबानी विदेश मंत्री से भारत की बड़ी डील, थर-थर कांपेगा पाकिस्तान

(जीएनएस)।

भारत ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में अपने दूतावास को आधिकारिक तौर पर बहाल करने की घोषणा करके एक महत्वपूर्ण राजनयिक कदम उठाया है। यह निर्णय नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुताकी के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक के दौरान लिया गया।

इस घोषणा की सबसे बड़ी बात यह है कि भारत ने 2021 में तालिबान शासन आने के बाद पहली बार अफगानिस्तान की संप्रभुता के प्रति अपना पूर्ण समर्थन स्पष्ट रूप से व्यक्त किया है।

तालिबान के सत्ता में आने के बाद से, भारत ने काबुल में अपनी उपस्थिति को एक उच्चायोग तक सीमित रखा था और अफगानिस्तान से जुड़े मामलों पर 'शांत कूटनीति' अपना रखी थी। अब इस उच्चायोग को पूर्ण दूतावास में बदल दिया जाएगा, जिससे भारत की राजनयिक उपस्थिति मुख्यधारा में लौट आएगी। वर्तमान में काबुल में रूस और पाकिस्तान जैसे कुछ ही देशों के दूतावास हैं।

विदेश मंत्री जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि अफगानिस्तान भारत के लिए हमेशा सर्वोपरि रहा है। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हाल ही में पहलगाम हमले की निंदा करने के लिए अफगानिस्तान का आभार व्यक्त किया, जो साझा सुरक्षा हितों को दर्शाता है।

इस बैठक में मानवीय और विकास सहायता पर भी फोकस रहा। जयशंकर ने ऐलान किया कि अफगानिस्तान में विकास के रुके हुए प्रोजेक्टों को फिर से शुरू किया जाएगा और भारत 20 एंबुलेंस प्रदान करेगा। यह पहल दर्शाती है कि भारत, अफगान लोगों के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखेगा और संकटग्रस्त देश को सहायता जारी रखेगा।

आमिर खान मुताकी, तालिबान शासन के तहत भारत का दौरा करने वाले पहले विदेश मंत्री हैं। उनके इस दौरे को तालिबान नेतृत्व का पूर्ण समर्थन प्राप्त था। मुताकी ने जयशंकर को आश्वस्त किया कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल भारत के खिलाफ किसी भी साजिश के लिए नहीं होने दिया जाएगा।

## इंफ्रास्ट्रक्चर, कारोबारी सुगमता व सुरक्षा से आया व्यापक निवेश : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि जहां इंफ्रास्ट्रक्चर, कारोबारी सुगमता (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) और मजबूत कानून व्यवस्था से सुरक्षा का माहौल हो तो वहां दुनिया के निवेश को आने से कोई भी नहीं रोक सकता। उत्तर प्रदेश में आज शानदार इंफ्रास्ट्रक्चर है, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस है तो यहां की कानून व्यवस्था नजीर मानी जाती है। इनके समन्वय से उत्तर प्रदेश में देश और दुनिया से व्यापक निवेश आया है। आज का उत्तर प्रदेश, देश के विकास में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

सीएम योगी शुक्रवार को गोरखपुर के चंपा देवी पार्क में आयोजित यूपी ट्रेड शो स्वदेशी मेला के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वदेशी मेला का आयोजन राज्य के हर जिले में हो रहा है। इसके पहले प्रदेश में बने उत्पादों को मंच देने के लिए 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन किया गया था। इंटरनेशनल ट्रेड शो में 2250 से अधिक उद्यमियों ने अपने उत्पादों की शो केसिंग की थी। 500 से अधिक विदेशी क्रेता यहां आए थे और इस ट्रेड शो में 11200 करोड रुपये के उत्पादों की बिक्री हुई। यह नए उत्तर प्रदेश की तस्वीर है जो बीमारू राज्य से उबरकर इसे उद्यम प्रदेश के रूप में प्रस्तुत करती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब उद्यम लगेंगे तो रोजगार मिलेगा। उद्यम लगेंगे तो कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी और उस कनेक्टिविटी की सुविधा का लाभ उद्योग ही नहीं बल्कि आम नागरिकों को भी मिलेगा। उद्यम लगेंगे तो नई तकनीकी आएगी और रोजगार के नए-नए अवसर भी सृजित होंगे।

## केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, सभी राज्यों के साथ पर्यावरण नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा की

(जीएनएस)।

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में प्रमुख पर्यावरणीय आदेशों के क्रियान्वयन के आकलन के लिए 10 अक्टूबर, 2025 को नई दिल्ली में समीक्षा बैठक की। पर्यावरण मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड -सीपीसीबी और देश भर के सभी राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों और प्रदूषण नियंत्रण समितियों के अध्यक्ष एवं सदस्य सचिवों ने भाग लिया।

बैठक में पर्यावरण मंत्री ने जल प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण अधिनियम 1974 अपनाने, विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व विनियमन कार्यान्वयन, विभिन्न अपशिष्ट प्रबंधन नियम लागू करने और ऑनलाइन निगरानी प्रणालियों द्वारा औद्योगिक प्रदूषण नियंत्रित करने संबंधी विनियमों में राज्य-स्तरीय क्रियान्वयन की समीक्षा की।

श्री यादव ने 13 राज्यों -आंध्र प्रदेश, हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, मणिपुर, नागालैंड, ओडिशा, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश, को अपने राज्य विधानमंडलों में इसी शीतकालीन सत्र तक जल प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण अधिनियम, 1974 अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इससे प्रदूषण नियंत्रण मानकों के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु उद्योगों को वर्गीकृत करने और समान सहमति दिशानिर्देशों की प्रयोज्यता सुनिश्चित होगी।

पर्यावरण मंत्री ने कहा कि कचरे से सामग्री प्राप्त करने और संसाधनों पर बोझ कम करने के लिए चक्रीय अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों का क्रियान्वयन अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने राज्यों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से प्लास्टिक पैकेजिंग, ई-कचरा, बैटरी अपशिष्ट, बेकार टायर, इस्तेमाल किए गए तेल, जीवन-काल समाप्त हो चुके वाहन, निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट, तथा अलौह धातुओं के स्क्रैप संबंधी ईपीआर विनियमों को प्रभावी ढंग से लागू करने का आग्रह किया ताकि उत्पादकों और पुनर्चक्रणकताओं को ईपीआर प्रमाणन में सुविधा हो।

उन्होंने ईपीआर तंत्र के तहत लेखा प्रणाली परीक्षण मजबूत बनाने को कहा और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को ईपीआर सहित विभिन्न पर्यावरणीय विनियमों के कार्यान्वयन प्रदर्शन के आधार पर मूल्यांकन के निर्देश दिए।

श्री यादव ने विभिन्न अपशिष्ट प्रबंधन नियमों, जैसे ठोस अपशिष्ट, जैव-चिकित्सा अपशिष्ट, ताप विद्युत संयंत्रों से निकलने वाली राख, प्लास्टिक अपशिष्ट और खतरनाक अपशिष्ट, के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन में तेजी लाने का भी आह्वान किया। इसके अलावा, उन्होंने खतरनाक श्रेणी के साथ ही अत्यधिक प्रदूषणकारी उद्योगों की 17 श्रेणियों में ऑनलाइन सतत उत्सर्जन निगरानी प्रणालियों के महत्व और औद्योगिक प्रदूषण को सीमा के भीतर रखने के लिए राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्रभावी निगरानी पर जोर दिया।

## 'गुजरात के मार्केटिंग यार्डों में किसानों के साथ खुला अन्याय ', आप ने साधा भाजपा पर निशाना

(जीएनएस)।

गुजरात में आज एक बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम तब देखने को मिल जब अअढ नेता राजूभाई करपड़ा ने बोटाद यार्ड में किसानों के समर्थन में धरना शुरू कर दिया। हजारों किसान इस धरने में शामिल होकर अपनी फसल का उचित मूल्य दिलाने की मांग कर रहे हैं।

आप का आरोप है कि भाजपा नेताओं ने यार्डों पर कब्जा कर किसानों को परेशान किया हुआ है, जिससे उनकी मेहनत बेकार हो रही है।

विस्तार से जानिए क्या है किसानों की मांग और आप ने इस पर क्या कहा...

आप ने क्या कहा?

राजूभाई करपड़ा ने कहा कि किसानों के अधिकारों के साथ होने वाले इस अन्याय को सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अअढ इस लड़ाई को सड़क से लेकर विधानसभा तक लड़ेगी, ताकि किसानों को उनका हक मिल सके। उनका कहना था कि यह धरना केवल प्रदर्शन नहीं, बल्कि किसानों के हक की लड़ाई है, जो हर स्तर पर जारी रहेगी। किसानों की यह मुहिम अब राजनीतिक और सामाजिक ध्यान का केंद्र बन गई है।

क्या हैं किसानों की समस्याएं और मांगें

किसानों का कहना है कि मार्केटिंग यार्डों में फसल बेचने के दौरान उन्हें न्यायिक मूल्य नहीं मिल रहा और कई बार उन्हें खरीददारों और यार्ड संचालकों द्वारा धोखा भी दिया जाता है। वे मांग कर रहे हैं कि सरकारी हस्तक्षेप के साथ सही मूल्य तय किया जाए और किसी भी राजनीतिक दबाव से किसानों की फसल की बिक्री प्रभावित न हो।

राजूभाई करपड़ा ने यह भी कहा कि यदि भाजपा और अन्य अधिकारी किसानों की समस्याओं को नजरअंदाज करते रहे, तो आप हर संभव माध्यम से किसानों का हक दिलाने के लिए संघर्ष करेगी।

## अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) ने आयुष क्षेत्र में बीमा एकीकरण और अनुसंधान के लिए सहयोग मजबूत किया

(जीएनएस)।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) के निदेशक प्रो. (डॉ.) प्रदीप कुमार प्रजापति ने आयुष मंत्रालय के बीमा विशेषज्ञों के प्रमुख समूह के अध्यक्ष प्रो. बेजोन कुमार मिश्रा का हार्दिक स्वागत किया। बैठक में आयुष क्षेत्र में बीमा कवरेज और नीतिगत पहलों को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया ताकि पारंपरिक चिकित्सा की व्यापक पहुँच और मुख्यधारा की स्वास्थ्य सेवा में एकीकरण सुनिश्चित किया जा सके।

केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव ने हाल ही में एआईआईए में आयुष बीमा से संबंधित मामलों के लिए परियोजना प्रबंधन इकाई (पीएमयू) का उद्घाटन किया था। चर्चा के दौरान, प्रो. प्रजापति ने इस बात पर जोर दिया कि पीएमयू हितधारकों के लिए समय पर और पारदर्शी वातावरण प्रदान करेगा, जिससे बीमा संबंधी योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन में सुविधा होगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि एआईआईए जनता के लिए आयुष बीमा योजनाओं की जानकारी और लाभों तक आसान पहुँच सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

## प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'राष्ट्र प्रथम' भाव को उजागर करने वाली अनूठी प्रस्तुति 'मेरा देश पहले' गुजरात में सर्वप्रथम गिफ्ट सिटी में आयोजित हुई

### मुख्यमंत्री सहित मंत्रिमंडल के सदस्यों, सामाजिक जीवन के अग्रणियों, वरिष्ठ उद्योगकारों तथा बड़ी संख्या में नागरिकों ने इस मंचन को देखा

गांधीनगर, 10 अक्टूबर : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आकार ले रहे नए भारत के रूपांतरण की एक अनूठी कहानी 'मेरा देश पहले' का गुजरात में सर्वप्रथम शो 10 अक्टूबर शुक्रवार को गांधीनगर स्थित गिफ्ट सिटी में आयोजित हुआ।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल सहित मंत्रिमंडल के सदस्यों, सामाजिक जीवन के अग्रणियों, वरिष्ठ उद्योगकारों तथा बड़ी संख्या में नागरिकों ने इस मंचन को देखा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सदैव राष्ट्रहित सर्वोपरि रखकर अपना जीवन राष्ट्र को समर्पित किया है। उनके समग्र जीवन की अनेक घटनाएँ-प्रसंग देशवासियों में देशप्रेम, समर्पण तथा 'राष्ट्र प्रथम' के भाव के लिए प्रेरणादायी बने हैं। 'मेरा देश पहले' श्री नरेन्द्र मोदी की उस अद्वितीय यात्रा को मेगा शो द्वारा जीवंत करता है।

'मेरा देश पहले' देश के अन्य राज्यों में सफल तथा प्रशंसनीय मंचन के बाद गुजरात में पहली बार गिफ्ट सिटी परिसर में आयोजित हुआ, जिसमें निःशुल्क प्रवेश रखा गया था।

प्रसिद्ध सर्जक श्री मनोज मुंतशिर निर्मित 'मेरा देश पहले' का मंचन निहारने के लिए आमंत्रित सहित ऑनलाइन पंजीकरण से प्रवेश प्राप्त करने वाले नागरिक पहुँचे और उन्होंने इस प्रस्तुति को देखा।

## उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के कामकाज और प्रमुख पहलों से अवगत कराया गया

(जीएनएस)।

माननीय उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन से आज संसद भवन में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने मुलाकात की। बैठक के दौरान उपराष्ट्रपति को मंत्रालय की प्रमुख योजनाओं, हाल की पहलों और भविष्य की रणनीतिक योजनाओं की जानकारी दी गयी।

उपराष्ट्रपति को महिलाओं और बच्चों के लिए एक सुरक्षित, स्वस्थ और उत्पादक वातावरण प्रदान करने के लिए मंत्रालय के समन्वित प्रयासों और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से अवगत कराया गया।

उपराष्ट्रपति को सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0, मिशन वात्सल्य और मिशन शक्ति जैसे प्रमुख अभियानों से अवगत कराया गया, जिनका उद्देश्य देश भर में महिलाओं और बच्चों के पोषण, सुरक्षा और सशक्तिकरण के मुद्दों का समाधान करना है। प्रस्तुति में कुपोषण के संकेतकों जैसे बौनेपन और कम वजन में लगातार गिरावट के साथ-साथ पूरक आहार, टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच और रेफरल सेवाओं के माध्यम से पोषण के लिए जीवनचक्र दृष्टिकोण की जानकारी दी गयी। इसमें आंगनवाड़ी अवसंरचना और बच्चों की संस्थागत और गैर-संस्थागत देखभाल में निरंतर सुधार पर भी प्रकाश डाला गया, जिसमें प्रायोजन, पालन-पोषण देखभाल, गोद लेने और बाद की देखभाल व्यवस्था शामिल हैं।

उपराष्ट्रपति को महिलाओं की सुरक्षा, संरक्षा और सशक्तिकरण के विभिन्न उपायों, जैसे वन-स्टॉप सेंटर, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, महिला हेल्पलाइन, नारी अदालत, सखी निवास और शक्ति सदन, आदि के बारे में भी जानकारी दी गई।

उपराष्ट्रपति ने मंत्रालय की पहलों और योजनाओं की निरंतर निगरानी की आवश्यकता पर बल दिया, साथ ही इन कार्यक्रमों को लागू करने वाले जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को उचित प्रेरणा पर भी बल दिया।

## विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस, विशेष रूप से स्मरण कराता है कि मानसिक स्वास्थ्य समग्र कल्याण का एक मूलभूत अंग है: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस विशेष रूप से हमें यह स्मरण कराता है कि मानसिक स्वास्थ्य समग्र कल्याण का एक मूलभूत हिस्सा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज की व्यस्त दुनिया में, यह दिन आत्मचिंतन और दूसरों के प्रति करुणा के महत्व को रेखांकित करता है। उन्होंने एक ऐसा वातावरण तैयार करने के लिए सामूहिक प्रयासों का आग्रह किया जहां विशेष रूप से मानसिक स्वास्थ्य पर विचार-विमर्श को मुख्यधारा में लाया जाए। श्री मोदी ने मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्यरत लोगों और दूसरों को स्वस्थ बनाने तथा प्रसन्नता का अनुभव कराने में सहायता करने वाले सभी लोगों की भी सराहना की।

# सम्पादकीय

## मोदी जी की लोकप्रियता कायम

त्वरित, कठोर और समयानुकूल निर्णय क्षमता ही है नरेन्द्र मोदी की पहचान, मोदी जी की अमृत वेला में शतायु होने की कामना के साथ आज देश उनकी ओर देख रहा है। ऐसे में मोदी जी के नेतृत्व और निवृत्ति की बात करना पूरी तरह से बेमानी होगी। देश को अभी मोदी जी और उनके जैसे नेतृत्व की आवश्यकता है जिससे आजादी के शताब्दी वर्ष तक देश विश्व की सबसे बड़ी ताकत बन कर उभर सके। त्वरित, कठोर और समयानुवूल निर्णय क्षमता ही है नरेन्द्र मोदी की पहचान मरनिग वंसल्ट की वैश्विक मंच पर लोकप्रियता के ताजातरीन सव्रे में एक बार फिर 75 वषाय नरेन्द्र दामोदर दास मोदी की लोकप्रियता या यों कहें कि एप्रूवल रेट 75 प्रतिशत रही है। यह विश्व के अन्य नेताओं की तुलना में कहीं अधिक है तो दूसरी और पिछले दिनों प्यू रिसर्च की रिपोर्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर भरोसा जताने वाले केवल 40 प्रतिशत लोग ही रह गए और इनमें भी केवल मात्र 15 फीसदी ही ऐसे लोग है जो पूरी तरह से ट्रंप पर भरोसा कर रहे हैं। चुनाव के समय 81 प्रतिषत भरोसे लायक नेता पर 40 प्रतिशत अमेरिकीयों का भरोसा और इनमें से भी 25 प्रतिशत का थोड़ा भरोसा तो केवल 15 प्रतिशत अमेरिकी ही ट्रंप पर पूरी तरह से भरोसा जता रहे हैं। 59 प्रतिशत अमेरिकीयों को तो ट्रंप पर अब बिलवुल भी भरोसा नहीं रहा है।

एक बात और साफ हो जानी चाहिए कि मरनिग वंसल्ट के इस सर्वे में दूसरे पायदान पर रहने वाले दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति लीजे म्युंग को 59 प्रतिशत और अज्रेटिना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई को 57 प्रतिशत का एप्रूवल मिला है। दरअसल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की एप्रूवल देश में ही नहीं विदेशों में भी एक दंबग नेता और साफ सुथरी छवि के कारण है। इसके साथ ही वूटनीति, तकनीक, रक्षा, अर्थव्यवस्था और किसी के सामने नईं झुकने की जीद ने और अधिक लोकप्रियता बढ़ा दी है। सबसे खासबात यह है कि विरोधी चाहे कितना भी शोर मचाये इसमें कोईं दो राय नहीं और इससे भी बढ़कर कि आपरेशन सिन्दुर को लेकर देशवासियों और विदेशियों किसी को भी नरेन्द्र मोदी और सेना के कथन पर किसी तरह का कोईं संदेह नहीं है। देर सबेर और गाहे बेगाहे पाकिस्तान तक ऑपरेशन सिन्दुर की टीस को व्यत्त कर ही देता है। ऐसे में विरोधियों द्वारा ऑपरेशन सिन्दूर पर जिस तरह से नकारात्मकता व्यत्त की जाती हैं वह कहीं ना कहीं मोदी और मोदी सरकार की विश्वसनीयता को और अधिक बढ़ाने में ही सहायक है। यह बात इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि नरेन्द्र मोदी अपनी जीवन की अमृतवेला मना रहे है। 75 साल के नरेन्द्र मोदी जिस अदम्य साहस और दृढ़ता का परिचय दे रहे हैं और खासतौर से जिस तरह से अमेरिका और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ के आगे झुकने से पूरी तरह नकार कर लगता है अब तो ट्रंप को ही झुकने को मजबूर होने जैसे हालात कर दिए हैं। ट्रंप शायद भूल गए कि यह आज का और मोदी का हिन्दुस्तान है। आज मोदी के भारत को दुनिया का कोईं देश या दुनिया का कोईं नेता हल्के में नहीं ले सकता।

इसका कारण भी है भारत आज आंख में आंख डाल कर बात करने की हैसियत रखता है। ट्रंप की बौखलाहट से इसे आसानी से समझा जा सकता है। दरअसल आज के दौर में वैश्विक नेता के रुप में बोल्ड होने, एग्रेसिव होने, कठोर व त्वरित निर्णय लेने वाले नेता लोगों की पसंद बनते जा रहे हैं।

अच्छे बुरे परिणाम की चिता कर निर्णय की उहापोह में पंसे नेता आज के लोगों की पसंद हो ही नहीं सकते। इसका बड़ा कारण दुनिया में वैश्विक संकटों का दौर चलना है। पर यह भी समझ लेना होगा कि दुनिया के लोग ट्रंप जैसे अंहकारी, तुगलकी निर्णय करने वाले, गली मौहल्ले के दादाओं जैसे व्यवहार करने वाले और अपने नासमझी भरे निर्णयों और फिर उन निर्णयों पर मुहं की खाने वाले नेताओ को भी पसंद नहीं करते। संकटों के दौर में लोगों का यह मानना रहता है कि हमें आलोचना प्रत्यालोचना या आगा पीछा सोच कर निर्णय लेने वाला नहीं अपितु त्वरित और कठोर निर्णय लेने वाला नेता चाहिए। और इसमें कोईं दो राय नहीं कि नरेन्द्र मोदी इस पर खरे उतरे हैं।

## एनडीए-महागठबंधन में कौन आगे, नीतीश फिर सीएम बनेंगे या नहीं? बिहार चुनाव से पहले आया बड़ा सर्वे

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले जारी हुए एक बड़े ओपिनियन पोल ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। सर्वे में जहां एनडीए गठबंधन को बढ़त दिखाई गई है, वहीं महागठबंधन भी पीछे नहीं है। वहीं प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज धीरे-धीरे तीसरे विकल्प के रूप में उभरती दिख रही है। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले आए नए ओपिनियन पोल में यह बात साफ झलक रही है कि जनता के बीच नीतीश कुमार की पकड़ अब भी मजबूत है।

सी-वोटर सर्वे में महागठबंधन-ठऊ्अ के सीट शेयरिंग, प्रशांत किशोर किसे पहुंचाएंगे फायदा, कौन सी पार्टी पाला बदलने को तैयार है, इन सब मुद्दों को कवर किया गया है। सर्वे में यह भी पूछा गया है कि अगर ठऊ्अ की सरकार बनती है तो क्या सीएम नीतीश कुमार ही बनेंगे। आइए जानें क्या कहता है सर्वे।

◆ अगर NDA सत्ता में आई तो नीतीश CM बनेंगे या नहीं?

सर्वे के मुताबिक, अगर एनडीए दोबारा सत्ता में आती है तो 63 फीसदी लोगों का मानना है कि नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री बनेंगे। वहीं, 27.7 प्रतिशत लोगों का कहना है कि एनडीए उन्हें सीएम नहीं बनाएगी, जबकि 8.9 फीसदी ने इस सवाल पर कोई राय नहीं दी।

जब जनता से पूछा गया कि बिहार चुनाव 2025 की रेस में कौन आगे है, तो सर्वे के नतीजे काफी दिलचस्प रहे। 13.6% लोगों ने NDA की जीत का अनुमान लगाया, जबकि 10% लोगों ने विपक्ष (महागठबंधन) के पक्ष में राय दी। वहीं, 21.5% लोगों का मानना है कि इस बार कोई "अन्य विकल्प" उभरकर सामने आ सकता है।

इस सर्वे के बाद बीजेपी प्रवक्ता अजय आलोक ने दावा किया कि एनडीए एक बार फिर बड़ी जीत दर्ज करेगा। उन्होंने कहा, "इस बार एनडीए बिहार में 225 सीटें जीतने जा रहा है। ये चुनाव सिर्फ गणित का नहीं, बल्कि जनता की भावनाओं की केमिस्ट्री से जीता जाएगा।"

अजय आलोक का यह बयान साफ इशारा करता है कि बीजेपी-नीतीश गठजोड़ को लेकर पार्टी को

पूरा भरोसा है और वह जनता के मूड को अपने पक्ष में मान रही है।

◆ NDA आगे, लेकिन सीट बंटवारे पर मतभेद संभव

सर्वे में पूछा गया कि आगामी चुनाव से पहले किस गठबंधन के लिए सीट बंटवारा सबसे मुश्किल रहेगा? इस पर 48.6% लोगों ने कहा कि एनडीए को सीट बंटवारे में सबसे ज्यादा दिक्कत होगी, जबकि 24.3% लोगों ने महागठबंधन को चुनौतीपूर्ण स्थिति में बताया। वहीं 12.7% ने माना कि दोनों गठबंधनों के लिए सीट बंटवारा आसान रहेगा, जबकि 14.4% लोगों ने कोई राय नहीं दी।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि एनडीए के भीतर लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) और जदयू-भाजपा के बीच तालमेल को लेकर अंदरखाने असंतोष मौजूद है।

◆ प्रशांत किशोर के आरोपों से किसे फायदा?

प्रशांत किशोर द्वारा एनडीए नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जाने के बाद यह सवाल भी उठाया गया कि किसको सबसे ज्यादा राजनीतिक फायदा होगा? इस पर 33.6% लोगों ने कहा कि महागठबंधन को इसका फायदा मिलेगा, जबकि 22.4% ने जनसुराज को लाभ मिलने की बात कही। एनडीए को 21.9%, और 'किसी को नहीं' को 10.4% लोगों ने चुना।

यह आंकड़ा साफ दिखाता है कि प्रशांत किशोर का हमला महागठबंधन और जनसुराज दोनों को ऊर्जा दे रहा है, जबकि एनडीए फिलहाल नुकसान से बचने की रणनीति में लगा है।

◆ बेरोजगारी और पलायन पर जनता की क्या है राय?

सर्वे में सबसे अहम सवाल था- बिहार में बेरोजगारी, पलायन और भ्रष्टाचार जैसी बड़ी समस्याओं को कौन सुलझा सकता है? यहां महागठबंधन को 36.5% लोगों ने सक्षम माना, जबकि एनडीए को 34.3%। जनसुराज को 12.8% और 'किसी को नहीं' को 9.4% लोगों ने चुना। यानी जनता अब भी उम्मीद लगाए बैठी है कि या तो नीतीश-मोदी की जोड़ी, या तेजस्वी यादव की टीम इन मुद्दों को हल कर सकती है।

◆ कौन पलट सकता है पाला?

सर्वे में एक दिलचस्प सवाल यह भी था कि अगर मांगें पूरी न हुईं, तो कौन सी पार्टी पाला बदल सकती है? यहां एलजेपी (रामविलास) 35.1% के साथ सबसे आगे रही। हम (हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा) को 15%, वीआईपी पार्टी को 12.7% और आरएलएम को 5% लोगों ने पाला बदलने वाली पार्टी माना। वहीं 32.3% लोगों ने कहा कि कहना मुश्किल है।

◆ गुरु प्रकाश पासवान बोले- ठऊ्अ में कोई मतभेद नहीं

इन नतीजों के बीच भाजपा प्रवक्ता गुरु प्रकाश पासवान ने कहा, "ठऊ्अ में सीट बंटवारे या समन्वय को लेकर कोई मुद्दा नहीं है। सब कुछ तय प्रक्रिया के अनुसार होगा।" वहीं फखऊ

## 'हर घर में एक सरकारी नौकरी' पर सियासत सुलगी! तेजस्वी के वादे पर भाजपा ने कहा बेवकूफ बनाने का पैंतरा!

बिहार की राजनीति में एक बार फिर बयानबाजी का तापमान चढ़ गया है। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के वादे "हर घर में एक सरकारी नौकरी" ने पूरे सियासी माहौल को गरमा दिया है। जहां एक तरफ तेजस्वी इसे "बिहार का सपना" बता रहे हैं, वहीं दूसरी ओर बीजेपी ने इसे "झूठे वादों का पहाड़" कहकर पूरी तरह खारिज कर दिया है।

तेजस्वी का यह बयान बिहार में रोजगार और युवाओं की बेकारी के मुद्दे को फिर से केंद्र में ले आया है। लेकिन इस बार राजनीति सिर्फ रोजगार पर नहीं, बल्कि विश्वसनीयता और यथार्थ पर भी हो रही है। पटना में एक जनसभा के दौरान तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर उनकी सरकार बनती है, तो बिहार के हर घर में कम से कम एक सरकारी नौकरी दी जाएगी। तेजस्वी का यह बयान सुनते ही भाजपा ने मोर्चा खोल दिया और जैसे-जैसे बयानबाजी बढ़ी, माहौल में गर्मी भी बढ़ती गई।

इखढ का पलटवार, 'दो बेवकूफ बिहार को फिर पीछे ले जाना चाहते हैं'

बीजेपी नेता अजय आलोक ने तेजस्वी पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि यह जनता को बेवकूफ बनाने की कोशिश है। उन्होंने कहा,"एक मूर्ख बाग को बर्बाद करने के लिए काफी होता है, लेकिन महागठबंधन में तो दो-दो हैं! पिता ने जंगलराज दिया, और अब पोता तीन करोड़ सरकारी नौकरी देने चला है।"

अजय आलोक ने तंज कसते हुए कहा कि जब पूरे देश में सरकारी नौकरियों की संख्या करीब 2.65 करोड़ है, तो बिहार में 3 करोड़ नौकरियां देने का वादा सिर्फ मजाक है। उन्होंने जोड़ा, "पहले बिहार को 50 साल पीछे ले गए, अब दो-दो 'मूर्ख' मिलकर फिर वही कर रहे हैं। बिहार को एक मूर्ख मिला जिसने बिहार को 50 साल पीछे ले गया और अब यहां दो मूर्ख हैं, और बड़ा मूर्ख दुनिया भर में घूम रहा है।"

भाजपा नेता संजय जायसवाल- सरकार नहीं बनने वाली इसलिए ऐसे बयान

बेतिया से बीजेपी सांसद संजय जायसवाल ने तेजस्वी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जब किसी पार्टी को

समझ में आ जाता है कि अब सरकार नहीं बनने वाली, तो वह ऐसे हवाई वादे करने लगती है।

उन्होंने कहा, "तेजस्वी यादव और महागठबंधन को अब भरोसा नहीं कि जनता उन्हें सत्ता में लाएगी। इसलिए अब वे कह रहे हैं कि हर घर में सरकारी नौकरी देंगे। कल कहेंगे कि जो हमें वोट देगा, उसे चांद पर ले जाएंगे!" जायसवाल के मुताबिक, तेजस्वी का बयान यह स्वीकारोक्ति है कि महागठबंधन चुनावी दौड़ से बाहर

कांग्रेस का बचाव -'मैनिफेस्टो आने दीजिए, सब साफ हो जाएगा'

तेजस्वी के इस बयान पर जब सवाल कांग्रेस से पूछा गया, तो कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने संयमित लहजा अपनाया। उन्होंने कहा, "थोड़ा इंतजार कीजिए, हमारा घोषणापत्र (मैनिफेस्टो) आने वाला है। उसमें सब स्पष्ट हो जाएगा। जो बातें हम करेंगे, वे हमारे विजन का हिस्सा होंगी और हम उन्हें पूरा करने की दिशा में काम करेंगे।" गहलोत ने कहा कि महागठबंधन का घोषणापत्र ही असली दस्तावेज होगा, जिससे यह तय होगा कि पार्टी युवाओं के लिए क्या योजनाएं लाने वाली है।

'वादा तोड़ने वालों की जमात'-इखढ का बड़ा हमला

बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग ने तेजस्वी यादव के वादे को "झूठ की राजनीति" बताया। उन्होंने कहा, "इंडिया अलायंस वादाखिलाफी करने वालों का समूह है। जिनके पास जंगलराज, तानाशाही और भ्रष्टाचार की विरासत है, वे अब रोजगार की बात कर रहे हैं!"

तरुण चुग ने ठऊ्अ सरकार के काम गिनाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में विकास का नया अध्याय लिखा गया है। उन्होंने कहा, "केवल एक महीने में 75 लाख महिलाओं को स्व-रोजगार से जोड़ा गया है, और युवाओं के लिए ₹62,000 करोड़ का पैकेज दिया गया है। ठऊ्अ का लक्ष्य है - हर हाथ को काम, हर गांव में विकास।"

'लालू-राबड़ी ने 1% भी नहीं दिया नौकरी', हरि सहनी का हमला

बिहार के मंत्री हरि सहनी ने भी तेजस्वी पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा, "लालू-राबड़ी के शासन में एक प्रतिशत भी नौकरी नहीं दी गई। तब पूरा बिहार परिवारवाद और भ्रष्टाचार की गिरफ्त में था। अब वही परिवार फिर से झूठे वादों से जनता को लुभाना चाहता है।"

उन्होंने आगे कहा कि बिहार की जनता अब सब जान चुकी है कि ठऊ्अ के शासन में बिहार "जंगलराज से मंगलराज" की ओर बढ़ा है। उन्होंने कहा,"लोग तय कर चुके हैं कि इस बार फिर मजबूत ठऊ्अ सरकार बनेगी।"

## रोहित शर्मा की नई कार पर फिदा हुए एलन मस्क! वायरल हो रहा रिएक्शन, फीचर्स ने सबको किया हैरान

टीम के स्टार क्रिकेटर रोहित शर्मा की नई सवारी ने वर्ल्ड वाइड धूम मचा दी है। 19 अक्टूबर से शुरू हो रही भारत-ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज की तैयारी में व्यस्त 'हिटमैन' हाल ही में अपनी ब्रांड न्यू टेस्ला मॉडल वाई चलाते नजर आए। जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

यह वीडियो और इससे जुड़ा पोस्ट जब टेस्ला के को-फाउंडर एलन मस्क के सामने आया, तो उनका रिएक्शन तुरंत वायरल हो गया।

मस्क ने यह पोस्ट शेयर करते हुए एक तरह से दुनिया को दिखा दिया कि कैसे उनकी कंपनी 'जीरो' विज्ञापन खर्च पर भी खरबों रुपये की मार्केटिंग कर लेती है।

हिटमैन बने टेस्ला के 'फ्री ग्लोबल प्रमोटर'

रोहित शर्मा की नई Model की वीडियो के साथ एक पोस्ट में लिखा गया था: 'यही कारण है कि टेस्ला को विज्ञापन करने की जरूरत नहीं है- रोहित शर्मा (भारतीय राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के कप्तान), जिनके इंस्टाग्राम पर 45 मिलियन फॉलोअर्स हैं, ने अभी-अभी एक नई टेस्ला मॉडल वाई खरीदी है।'

यह पोस्ट देखकर एलन मस्क ने इसे खुद शेयर किया। इससे पता चलता है कि टेस्ला कैसे विज्ञापन पर पैसे खर्च करने के बजाय, हाई-प्रोफाइल हस्तियों के प्रोडक्ट इस्तेमाल को अपनी ब्रांड वैल्यू में बदल देती है। रोहित शर्मा की यह एक ड्राइव टेस्ला के लिए भारत सहित दुनिया भर में एक करोड़ों रुपये का प्रमोशन बन गई।

बिक्री बढ़ाने के लिए ळीर' ने उतारे 'सस्ते' वेरिएंट

रोहित शर्मा द्वारा नई टेस्ला खरीदे जाने की यह खबर ऐसे समय में आई है जब टेस्ला अपनी घटती बिक्री को बढ़ाने के लिए बाजार में सस्ते और किफायती वेरिएंट्स लॉन्च कर रही है। कंपनी ने ट नए एंट्री-लेवल वेरिएंट्स पेश किए हैं। इन मॉडलों को लाने का मकसद ग्राहकों के एक बड़े वर्ग को आकर्षित करना और प्रतिस्पर्धा वाले बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करना है। ये नए वेरिएंट फिलहाल केवल अमेरिकी बाजार में उपलब्ध हैं।

टेस्ला मॉडल वाई का यह 'स्टैंडर्ड' वेरिएंट, हाई वेरिएंट की तुलना में कम कीमत में उपलब्ध कराने के लिए कुछ फीचर्स को हटाता है, जबकि मुख्य पावर को बरकरार रखता है:

पावर और परफॉर्मेंस

बैटरी और रेंज: यह 69.5 'हँ की छोटी बैटरी यूनिट के साथ आती है, जो एक सिंगल चार्ज पर 517 किलोमीटर तक की रेंज देने का दावा करती है।

पावर: यह वेरिएंट लगभग 300hp (हॉर्स पावर) की क्षमता रखता है।

डिजाइन और एक्सटीरियर में बदलाव

व्हील्स: इसमें 18 इंच के स्टैंडर्ड व्हील्स मिलते हैं।

सनरूफ हटा: हाई वेरिएंट में मिलने वाली पैनोरमिक सनरूफ को इस मॉडल से हटा दिया गया है।

कलर ऑप्शन: ग्राहकों को केवल तीन रंग विकल्प मिलते हैं: सफेद, काला और ग्रे।

अन्य बदलाव: हाई वेरिएंट के फ्रंट पर दिखने वाले लाइट बार भी हटा दिए गए हैं।

## करवा चौथ से पहले छूटा पति का साथ, शव से लिपटकर रोई, नन्हें हाथों ने दी मुखाग्नि

(जीएनएस)।

करवा चौथ से ठीक एक दिन पहले पंजाब के मशहूर बॉडीबिल्डर और एक्टर वरिंदर सिंह घुम्मण(42) की मौत ने उनके परिवार को तोड़ दिया। गुरुवार (9 अक्टूबर 2025) देर रात अमृतसर के फोर्टिस अस्पताल में ऑपरेशन के दौरान दो हार्ट अटैक से उनका निधन हो गया।

देर रात जब उनका पार्थिव शरीर जालंधर के मॉडल हाउस स्थित घर पहुंचा, तो पत्नी और परिजन शव से लिपटकर फूट-फूटकर रोए। शुक्रवार (10 अक्टूबर) दोपहर 3 बजे मॉडल टाउन श्मशान घाट में उनके बड़े बेटे गुरतेजवीर सिंह ने मुखाग्नि दी। हर आंख नम थी, और जनसैलाब ने अपने 'मैन ऑफ इंडिया' को अंतिम विदाई दी। आइए जानते हैं कैसे हुई थी मौत...

वरिंदर गुरुवार को मॉडल हाउस के अपने जिम में वर्कआउट कर रहे थे, जब कंधे की नस दबने से दर्द शुरू हुआ। दोस्त उन्हें पहले स्थानीय अस्पताल ले गए, फिर अमृतसर के फोर्टिस रेफर किया गया। छोटे से

ऑपरेशन के दौरान पहला हार्ट अटैक आया, और दूसरा अटैक जानलेवा साबित हुआ। दोस्त अनिल गिल ने सवाल उठाया: 'बॉडी अचानक नीली कैसे पड़ गई? अस्पताल की लापरवाही की जांच हो।'

अस्पताल के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉ. रोमी ने कहा, 'सभी दवाओं का रिकॉर्ड मौजूद। मेडिकल बुलेटिन जल्द जारी होगा।' दोस्तों ने सीसीटीवी फुटेज मांगी, लेकिन अस्पताल ने बताया कि ऑपरेशन थिएटर में कैमरे नहीं। पुलिस में अभी कोई केस दर्ज नहीं।

वरिंदर की पत्नी का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया, क्योंकि उन्होंने हमेशा निजता बरती। शव घर पहुंचते ही वह टूट गईं। परिजनों ने बताया, 'वह करवा चौथ की तैयारियों में थीं, लेकिन अब सिर्फ आंसू बचे।' वरिंदर के 4 बच्चे (2 बेटे: गुरतेजवीर, भगवंत; 2 बेटियां: गैवी, एकमजोत) हैं, शव से लिपटकर बिलखते रहे।

समय और जगह: 10 अक्टूबर, दोपहर 3 बजे, मॉडल टाउन श्मशान घाट, जालंधर।

मुखाग्नि: बड़े बेटे गुरतेजवीर सिंह ने दी।

परिवार: पिता भूपिंदर सिंह (रिटायर्ड अरक्, कबड्डी प्लेयर), दादा (हॉकी प्लेयर), मां हरभजन कौर का 2009 में निधन। शाकाहारी बॉडीबिल्डर, सलमान का को-स्टार

## पवन सिंह की पत्नी ज्योति क्या जनसुराज से लड़ेंगी चुनाव? पीके के साथ बंद कमरे में चली बैठक

(जीएनएस)।

बिहार की राजनीति में इन दिनों भोजपुरी पावर स्टार पवन सिंह और उनकी पत्नी ज्योति सिंह सुर्खियों में हैं। पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह शुक्रवार (10 अक्टूबर) को जनसुराज अभियान के प्रमुख प्रशांत किशोर (PK) से मिलने पहुंचीं। ऐसे में ये चर्चा तेज है कि क्या प्रशांत किशोर जनसुराज से ज्योति सिंह को टिकट देने वाले हैं।

पटना के जनसुराज कार्यालय में ज्योति सिंह और प्रशांत किशोर के बीच करीब 20 मिनट तक बंद कमरे में मुलाकात चली। इस मीटिंग के बाद जब मीडिया ने सवाल किए कि क्या वो जनसुराज से टिकट मांगने आई हैं, तो ज्योति ने साफ कहा -"मैं यहां चुनाव लड़ने या टिकट के लिए नहीं आई हूं। मैं एक आम महिला बनकर आई हूं। मेरे साथ जो अन्याय हुआ है, वो किसी और महिला के साथ ना हो, बस यही मेरी मंशा है।"

ज्योति सिंह ने कहा कि वो अपने पति पवन सिंह से चल रहे विवाद के बीच मदद के लिए प्रशांत किशोर के पास पहुंचीं। उन्होंने बताया, "मैं किसी

पार्टी से टिकट नहीं चाहती, न ही मैं राजनीति में आने का इरादा रखती हूं। मैं बस चाहती हूं कि बिहार की महिलाएं मेरे जैसे हालात में न फंसें। प्रशांत किशोर बिहार के लोगों की आवाज बन रहे हैं, इसलिए मैं उनसे मदद मांगने आई हूं।"

प्रशांत किशोर बोले, ये पारिवारिक मामला है, पवन सिंह भी मेरे दोस्त हैं

मुलाकात के बाद प्रशांत किशोर ने भी इस पूरे घटनाक्रम पर बयान दिया। उन्होंने कहा, "ज्योति सिंह बिहार की एक महिला के तौर पर आई हैं। उन्होंने जो दर्द साझा किया, उसे हमने सुना। लेकिन यह मामला पूरी तरह पारिवारिक है और जनसुराज किसी के निजी विवाद में नहीं पड़ता। हां, अगर सुरक्षा का मामला है, तो जनसुराज हमेशा उनके साथ खड़ा रहेगा।"

प्रशांत किशोर ने आगे कहा, "पवन सिंह हमारे मित्र हैं, हम उनके निजी जीवन में दखल नहीं देंगे। मगर समाज के स्तर पर अगर किसी महिला को लगता है कि उसके साथ अन्याय हुआ है, तो जनसुराज उसका साथ देगा।"

अब क्या जनसुराज से राजनीति में उतरेंगी ज्योति सिंह?

मुलाकात के बाद से ही चचाएं तेज हैं कि क्या प्रशांत किशोर ज्योति सिंह को जनसुराज से टिकट दे सकते हैं? हालांकि फिलहाल ढङ ने ऐसी किसी संभावना से इनकार किया है। उन्होंने साफ कहा, "ये पारिवारिक मामला है, और जनसुराज किसी भी तरह के पारिवारिक विवाद में नहीं पड़ता। लेकिन अगर सुरक्षा या महिला सम्मान की बात होगी, तो हम पीछे नहीं हटेंगे।"

ढंद्दल्ल प्रल्लँ ख८ङ्क्ष३ प्रल्लँ फ्ङ्कद्ग: आखिर क्यों बढ़ा पवन-ज्योति का विवाद?

दरअसल पवन सिंह और ज्योति सिंह के बीच का विवाद पिछले कुछ महीनों से लगातार सुर्खियों में है। 5 अक्टूबर को ज्योति सिंह अचानक लखनऊ स्थित पवन सिंह के घर पहुंचीं, जिसके बाद खूब ड्रामा हुआ। पुलिस को बीच में आना पड़ा।

## 5.2 करोड़ की फेरारी लेकर सड़कों पर निकले भारतीय क्रिकेट टीम के ताबड़तोड़ बल्लेबाज अभिषेक शर्मा, स्टाइलिश लुक से जीता फैंस का दिल

तस्वीर वायरल

हाल ही में भारतीय क्रिकेट टीम के ताबड़तोड़ बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने एक लक्जरी कार खरीदी है। एशिया कप में अपने बेहतरीन प्रदर्शन के तुरंत बाद अभिषेक शर्मा ने लगभग 5.2 करोड़ रुपये की कीमत वाली एक Ferrari V12 खरीदी है। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर इस दमदार कार की तस्वीरें 'V12' कैप्शन के साथ शेयर की है।

एशिया कप 2025 में जबरदस्त प्रदर्शन

अभिषेक शर्मा ने संयुक्त अरब अमीरात (UAE) में हुए एशिया कप 2025 में बल्ले से बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने सात पारियों में 40 से अधिक के औसत से 314 रन बनाकर टूनामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में खिताब अपने नाम किया। खासकर पाकिस्तान के खिलाफ सुपर 4 मुकाबले में उनका

प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। उन्होंने महज 39 गेंदों पर 74 रन की तूफानी पारी खेलकर 'मेन इन ब्लू' को 172 रनों का लक्ष्य आसानी से हासिल करने में मदद की थी।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर होगी बड़ी परीक्षा

एशियाई पिचों पर अभिषेक ने शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन अब उनके सामने एक बड़ी चुनौती है। वह पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाने वाले हैं, जहां की पिचों पर बल्लेबाजी करना काफी मुश्किल होता है। ऑस्ट्रेलिया के दौरे की शुरूआत 19 अक्टूबर को पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में तीन मैचों की वनडे सीरीज से होगी।

टी-20 टीम की कमान संभाल रहे सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व में भारतीय टीम इस दौरे पर जीत हासिल करने के लिए बेताब होगी। पिछले साल टी-20 विश्व कप जीतने के बाद से भारत ने टी-20 में बहुत कम मैच गंवाए हैं। टीम की यह जीत अगले साल होने वाले विश्व कप की तैयारियों के लिए भी अहम होगी। हालांकि अभिषेक शर्मा को वनडे टीम में जगह नहीं मिल पाई, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के मुश्किल हालात में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने का उनका अनुभव उनके करियर के लिए एक बड़ी सीख साबित होगा।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

# बिहार चुनाव से ठीक पहले जेडीयू के दिग्गजों ने थामा आरजेडी का दामन मुश्किल में एनडीए का गेमप्लान

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के नामांकन की गहमागहमी के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (JDU) और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) को शुक्रवार को बड़ा झटका लगा। JDU के पूर्व सांसद संतोष कुशवाहा और पूर्व विधायक राहुल शर्मा समेत कई दिग्गज नेता विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल (RJD) में शामिल हो गए।

RJD नेता तेजस्वी यादव की उपस्थिति में हुए इस दलबदल को बिहार की चुनावी राजनीति में फखऊ की रणनीतिक मजबूती के तौर पर देखा जा रहा है। यह घटना स्पष्ट संकेत देती है कि चुनाव से ठीक पहले राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं।

इन नेताओं का फखऊ में शामिल होना सिर्फ सीटों का खेल नहीं, बल्कि जातिगत समीकरण को साधने की एक सोची-समझी रणनीति है। RJD, जो पारंपरिक रूप से मुस्लिम-यादव (MY) समीकरण पर निर्भर रही है, अब कुशवाहा समुदाय और भूमिहारों जैसे अगड़ी जाति समूहों को अपने पाले में लाने की कोशिश कर रही है। संतोष कुशवाहा (JDU के पूर्व सांसद)

और अजय कुशवाहा (LJP नेता) के आने से पार्टी को NDA के पारंपरिक वोट बैंक रहे कुशवाहा समुदाय में पैठ बनाने में मदद मिलेगी।

वहीं, पूर्व विधायक राहुल शर्मा (भूमिहार समुदाय से) के शामिल होने से RJD को अगड़ी जाति को साधने की कोशिशों को बल मिलेगा, जो परंपरागत रूप से NDA के समर्थक रहे हैं।

JDU को छोड़कर RJD में आए प्रमुख चेहरे

दलबदल करने वाले नेताओं में सबसे बड़ा नाम संतोष कुशवाहा का है, जिन्होंने JDU के टिकट पर पूर्णिया लोकसभा सीट से दो बार लगातार जीत दर्ज की थी। उनका 2014 में लोकसभा डेब्यू चौंकाने वाला था, जब उन्होंने बीजेपी छोड़कर 'मोदी लहर' के बावजूद JDU के लिए सिर्फ दो सीटों में से एक पर जीत हासिल की थी। उनके अलावा, जहानाबाद जिले की घोसी सीट से पूर्व विधायक राहुल शर्मा भी RJD में शामिल हुए, जो क्षेत्र के कद्दावर नेता जगदीश शर्मा के बेटे हैं।

राहुल शर्मा ने इस सीट को निर्दलीय, जनता पार्टी, बीजेपी और JDU के टिकट पर रिकॉर्ड आठ बार जीता है। लोक जनशक्ति पार्टी के नेता अजय कुशवाहा और खउ्अ के बांका सांसद गिरिधारी प्रसाद यादव के बेटे चाणक्य प्रसाद रंजन भी RJD के पाले में आ गए हैं।

तेजस्वी का NDA पर हमला और सरकार बदलने का दावा

इन नेताओं का RJD में स्वागत करते हुए तेजस्वी यादव ने राज्य की ठउ्अ सरकार और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर सीधा हमला बोला। तेजस्वी यादव ने दावा किया, 'राज्य में लोग NDA सरकार से तंग आ चुके हैं। CM होश में नहीं हैं। उनकी सरकार को आगामी विधानसभा चुनावों में जनता उखाड़ फेंकेगी।'

तेजस्वी ने कहा कि इन नेताओं के पार्टी में आने से RJD का परिवार मजबूत होगा। विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 6 और 11 नवंबर को होगा, जबकि वोटों की गिनती 14 नवंबर को की जाएगी।

# आईपीएस सुसाइड केस पर चिराग पासवान का अल्टीमेटम, सीएम सैनी को लिखा पत्र, दोषियों को फौरन जेल भेजने की मांग

(जीएनएस)।

केन्द्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार की आत्महत्या के मामले में हस्तक्षेप किया है। पासवान ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को एक पत्र लिखकर इस संवेदनशील मामले की निष्पक्ष, हाई-लेवल और समयबद्ध जांच सुनिश्चित करने की मांग की है।

बिहार की राजनीति में अपनी मजबूत पैठ रखने वाले पासवान का यह कदम दलित उत्पीड़न के एक राष्ट्रीय मुद्दे को सामने लाकर राजनीतिक हलकों में हलचल पैदा करने वाला माना जा रहा है।

पासवान ने अपने पत्र में 7 अक्टूबर, 2025 को हुई आईपीएस अधिकारी की मौत पर गहरा दुःख व्यक्त किया। उन्होंने इस घटना को केवल एक आत्महत्या नहीं, बल्कि 'हमारे प्रशासनिक ढांचे में व्याप्त मानसिक और जातिगत उत्पीड़न का भयावह संकेत' बताया है, जो आज भी समाज में जहर की तरह फैला हुआ है।

उन्होंने कहा कि यह अत्यंत

पीड़ादायक है कि जिस हाई रैंकिंग ऑफिसर ने अपना पूरा जीवन कानून, अनुशासन और सेवा में समर्पित किया, उसे अंततः इस अमानवीय व्यवस्था के आगे झुकना पड़ा। पासवान ने जोर देकर कहा कि अधिकारी के सुसाइड नोट में लिखी गई बातें संविधान की आत्मा पर चोट करती हैं।

कानून से ऊपर कोई नहीं, न पद, न प्रभाव

केन्द्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री सैनी से इस मामले को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आग्रह किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह घटना किसी राजनीतिक बहस का विषय नहीं है, बल्कि यह मानवता, न्याय और समानता के मूल्यों की परीक्षा है। पासवान ने सख्त लहजे में कहा कि इस मामले में सख्त, पारदर्शी और निर्भीक कार्रवाई पूरे देश को यह संदेश देगी कि 'कानून से ऊपर कोई नहीं है- न पद, न प्रतिष्ठा, न प्रभाव।'

उन्होंने यह भी मांग की कि हरियाणा सरकार इस प्रकरण में किसी को भी नहीं बख्शे, चाहे वह कितना भी बड़ा पद या प्रभावशाली स्थिति क्यों न रखता हो, ताकि प्रशासनिक अधिकारियों की गरिमा, सुरक्षा और सम्मान की रक्षा हो सके।

गौरतलब है कि यह पत्र ऐसे समय में आया है जब मृतक अधिकारी की आईएएस पत्नी, अमनीत पूरन कुमार की शिकायत पर हरियाणा के ऊ्र्रढ शत्रुजीत सिंह कपूर और अन्य अधिकारियों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने और जातिगत उत्पीड़न की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। इससे पहले, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी इस घटना को दलित उत्पीड़न करार देते हुए दोषियों को सख़्त सजा देने की मांग की थी।

# हिमालय की गोद में आर्मी ने शुरू किया अनोखा होमस्टे

(जीएनएस)।

उत्तराखंड की बफीर्ली चोटियों और शांत घाटियों के बीच बसा गारब्यांग अब पर्यटकों के लिए सिर्फ एक जगह नहीं, बल्कि एक अनुभव बन गया है। कल्पना कीजिए - आप हिमालय की गोद में, स्थानीय लोगों के साथ जी रहे हैं। उनकी संस्कृति, भोजन और परंपराओं का हिस्सा बन रहे हैं। "शिवनगरी गुंजी का प्रवेश द्वार" कहे जाने वाले इस ऐतिहासिक गांव से आप आदि कैलाश और ओम पर्वत की पवित्र यात्राओं पर निकल सकते हैं। जबकि ठंडी बफीर्ली हवा, बर्फ से ढकी चोटियां और शांत घाटियां आपके अनुभव को अविस्मरणीय बना देंगी।

यह सिर्फ होमस्टे नहीं, बल्कि एक यात्रा है जो आपके दिल और आत्मा दोनों को छू जाएगी। भारतीय सेना ने इस ऐतिहासिक और खूबसूरत गांव में टेंट आधारित होमस्टे सुविधा का उद्घाटन किया है। यह कदम न सिर्फ पर्यटन को बढ़ावा देगा, बल्कि सीमावर्ती इलाकों में सतत विकास को भी प्रोत्साहित करेगा। अठक की रिपोर्ट के अनुसार, यह उद्घाटन 6 अक्टूबर 2025 को ऑपरेशन सद्भावना के तहत हुआ, जिसमें लेफ्टिनेंट जनरल डी.जी. मिश्रा, जीओसी उत्तर भारत क्षेत्र ने मुख्य समारोह में भाग लिया।

स्थानीय लोगों के लिए रोजगार का अवसर

उद्घाटन समारोह में गारब्यांग के ग्रामीणों ने भी भाग लिया और इस परियोजना की सराहना की। सेना ने बताया कि यह होमस्टे स्थानीय लोगों

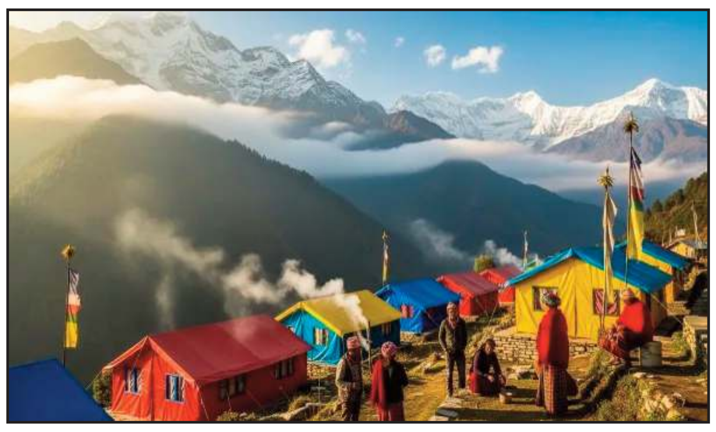

को सौंपा जाएगा ताकि वे इसे स्वतंत्र रूप से चला सकें और इससे आय प्राप्त कर सकें।

सरकार के विकास कार्यक्रम के साथ तालमेल

यह पहल भारत सरकार के 'वाइब्रेंट विलेजेस प्रोग्राम' के उद्देश्यों के अनुरूप है। इस कार्यक्रम का मकसद सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति सुधारना है और जिम्मेदार पर्यटन व स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देना है।

गारब्यांग की खासियत

गारब्यांग घाटियों और बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच बसा हुआ है। इसे अक्सर "शिवनगरी गुंजी का प्रवेश द्वार" कहा जाता है, जहां से दो प्रमुख तीर्थ यात्राएँ शुरू होती हैं - एक आदि कैलाश और दूसरी ओम पर्वत व कालापानी की ओर। यह जगह धार्मिक महत्व, सांस्कृतिक धरोहर और प्राकृतिक सुंदरता का अद्भुत मिश्रण पेश करती है।

बुकिंग और कीमतें

इस समय बुकिंग गारब्यांग विलेज कमेटी द्वारा की जाएगी। पर्यटक यहाँ स्थानीय जीवन शैली का पूरा अनुभव ले सकते हैं। बुकिंग के लिए संपर्क करें: 9410734276, 7579811930, 9596752645। टैरिफ प्रति व्यक्ति प्रति रात 1,000 रुपये है, जिसमें भोजन शामिल है।

पर्यटकों के लिए आकर्षक अनुभव

टेंट आधारित होमस्टे पर्यटकों के लिए एक अलग और इको-फ्रेंडली अनुभव प्रदान करता है। पारंपरिक होटल की तुलना में यह प्रकृति के करीब रहने का मौका देता है और पर्यावरण पर कम असर डालता है। साथ ही, यह स्थानीय समुदाय की आमदनी में भी योगदान देता है।

ऑपरेशन सद्भावना और विकास पहल

गारब्यांग होमस्टे ऑपरेशन सद्भावना के तहत सेना की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। इस क्षेत्र में सेना ने कई परियोजनाएँ लागू की हैं:

ग्रामीण इलाकों में बिजली की सुविधा

हाइब्रिड सोलर प्लांट्स

मेडिकल कैंप और स्वास्थ्य सेवाएँ

पॉलीहाउस के माध्यम से कृषि उत्पादकता बढ़ाना

सड़क, पानी और सामुदायिक केंद्र जैसी बुनियादी सुविधाएँ

यह सभी प्रयास सीमावर्ती इलाकों के लोगों को सशक्त बनाने और उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए किए गए हैं।

बुकिंग करने के फायदे

सस्ती सुविधा: प्रति व्यक्ति 1,000 रुपये प्रति रात, भोजन सहित।

असली अनुभव: पर्यटक स्थानीय जीवन में पूरी तरह शामिल होते हैं।

धार्मिक स्थलों की नजदीकी: कई तीर्थ स्थल आसपास।

पर्यावरण के अनुकूल: टेंट इको-फ्रेंडली हैं।

समुदाय द्वारा प्रबंधित: आय सीधे स्थानीय लोगों को जाती है।

# पुलिस की क्रूरता: चेकिंग के नाम पर छात्र की पिटाई से मौत, बालाघाट डीएसपी का साला था उदित गायके

(जीएनएस)।

राजधानी भोपाल के पिपलानी थाना क्षेत्र में एक ऐसी घटना घटी है, जो न सिर्फ एक परिवार को बर्बाद कर गई, बल्कि पूरे समाज को हिला दिया। एक सामान्य छात्र उदित गायके (22 वर्ष), जो बालाघाट के ऊग्ढ का साला था, अपनी जिंदगी के सबसे साधारण पल-दोस्तों के साथ पार्टी से लौटना- में पुलिस की कथित गुंडागर्दी का शिकार हो गया।

रात 11 बजे इंद्रपुरी इलाके में 'चेकिंग' के बहाने रोके गए उदित और उसके दोस्तों पर गाली-गलौज हुई, 10,000 रुपये की रिश्वत की मांग हुई, और इंकार पर बेरहमी से पिटाई शुरू हो गई।

भागते हुए पकड़े गए उदित को लाठियों और लातों से तड़पाया गया, जिसके बाद उल्टियां हुईं। इसके दोस्त उसे लेकर तोड़ा घूमाने ले गए। इसके कुछ देर बाद वह कार के अंदर ढेर हो गया। इसके बाद दोस्त इसे अक्क्टर अस्पताल लेकर पहुंचे जहां छात्र को मरा हुआ घोषित कर दिया गया।

सीसीटीवी फुटेज में यह क्रूरता साफ कैद है-पुलिस वाले उदित को जमीन पर पटकते हुए मार रहे हैं। दो आरोपी पुलिसकर्मी-रक संतोष बामनिया और कांस्टेबल सौरभ आर्य-फरार हैं, और इलाके में भारी फोर्स तैनात कर दी गई है। यह घटना भोपाल के पुराने पुलिस ब्रूटैलिटी केस की याद दिलाती है, जहां वर्दी का दुरुपयोग आम हो गया है। क्या इस बार न्याय मिलेगा, या वर्दी फिर बचाव का ढाल बनेगी?

उदित गायके भोपाल के एक प्रतिष्ठित प्राइवेट कॉलेज में इ.व्रीूॅ का अंतिम वर्ष का छात्र था। मूल रूप से बालाघाट जिले का रहने वाला, वह पढ़ाई के साथ-साथ दोस्तों के साथ मस्ती-मजाक का शौकीन था। उदित का परिवार मध्यमवर्गीय था-पिता एक सरकारी स्कूल टीचर, मां गृहिणी। लेकिन उदित का खास कनेक्शन था अपनी मौसी से, जो बालाघाट के ऊग्ढ (डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस) हैं। परिवार बताता है कि उदित कभी विवादों से दूर रहता था। वह सपना

देखता था इंजीनियरिंग पूरी कर जॉब पाने का, शादी का, और परिवार को खुश रखने का।

उदित एक साधारण नौजवान था, जिसकी जिंदगी में बस पढ़ाई और दोस्ती थी। 9 अक्टूबर की रात वह अवधपुरी (भोपाल का पॉपुलर पार्टी एरिया) से दोस्तों के साथ पार्टी कर लौट रहा था। उदित की मौत ने न सिर्फ उसके दोस्तों को झकझोर दिया, बल्कि पूरे कैंपस को-कई छात्रों ने कॉलेज गेट पर कैंडल मार्च किया।

घटना का पूरा विवरण: रात 11 बजे की खौफनाक रात, स्टेप बाय स्टेप

पिपलानी थाना क्षेत्र के इंद्रपुरी क्रॉसिंग पर यह त्रासदी घटी। दोस्तों के बयानों, सीसीटीवी फुटेज और प्रारंभिक जांच के आधार पर चरणबद्ध तरीके से देखें:

रात 10:30-11:00 बजे: पार्टी से वापसी

उदित और उसके तीन दोस्त (राहुल, अंकित, विक्की) बाइक पर अवधपुरी से इंद्रपुरी भोपाल की ओर लौट रहे थे। अवधपुरी भोपाल का एक व्यस्त पार्टी जोन है, जहां युवा अक्सर घूमते हैं। दोस्तों ने बताया, "हम हंसते-खेलते आ रहे थे। शराब की हल्की महक थी, लेकिन गाड़ी सीधी चल रही थी।"

11:00 बजे: पुलिस ने रोका, विवाद शुरू

दोस्तों ने बताया कि जब हम पार्टी करके घूमने निकल रहे थे, तभी इंद्रपुरी के पास अचानक पिपलानी थाने की पुलिस आई। बाइक सवार दो पुलिस कर्मा हमारी कार के पास आए और बहस करने लगे, लेकिन शराब की महक पर पुलिस भड़क गई। दोस्तों का आरोप: "गालियां दीं, 'कुत्ते के बेटे' कहकर धमकाया। फिर 10,000 रुपये मांगे-'फाइन' बताकर।"

11:05-11:15 बजे: मारपीट और रिश्वत की मांग

उदित ने विरोध किया-"हमने कुछ गलत नहीं किया।" पुलिस ने लाठियां चलाइं। दोस्त डरकर भागे, लेकिन उदित को पकड़ लिया। रक बामनिया और कांस्टेबल सौरभ आर्य ने कथित तौर पर उसे घसीटा। दोस्तों ने फोन पर रिकॉर्डिंग की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने छीन ली।

11:15-11:25 बजे: भागते हुए पिटाई और मौत

उदित भागा, पुलिस ने पीछा किया। इंद्रपुरी की एक दुकान के सीसीटीवी में कैद: उदित को जमीन पर पटककर 2-3 मिनट तक लातें, मुक्के और लाठियां। सिर-चेहरे पर चोटें। उदित चिल्लाया, हाथ जोड़े, लेकिन पीटाई रुकी नहीं। मारपीट के बाद उल्टियां हुईं-आंतरिक चोट से रक्तस्राव। इसके बाद दोस्त उसे घूमाने ले गए, लेकिन पुलिस वालों का दोबारा फोन आ गया, जिसके बाद मारपीट से घबराया उदित ज्यादा देर तक जिंदा नही रह सका। यह घटना भोपाल के 2019 के बैरागढ़ कस्टडी डेथ केस की याद दिलाती है, जहां एक युवक की पुलिस हिरासत में मौत हुई थी।

सीसीटीवी फुटेज: क्रूरता का काला सबूत

इंद्रपुरी की एक पान दुकान के उउळश फुटेज ने पूरी घटना को उजागर कर दिया। 2 मिनट 15 सेकंड का वीडियो वायरल है:

पुलिस की बाइक उदित को घेरती है।

रक बामनिया उदित के कॉलर से पकड़ते हैं, सौरभ आर्य लाठी चलाते हैं।

उदित गिरता है, लेकिन लातें जारी-सिर पर तीन-चार।

पृष्ठभूमि में दोस्त चिल्लाते: "भाई को छोड़ दो!"

अंत में उदित स्थिर, पुलिस भागती नजर आती है।

आरोपी पुलिसकर्मी: रक संतोष बामनिया और सौरभ आर्य-पिछला रिकॉर्ड क्या?

रक संतोष बामनिया (38 वर्ष): पिपलानी थाने में 5 साल से तैनात। 2023 में एक मारपीट केस में सस्पेंड हो चुके। सूत्र: "चेकिंग के नाम पर रिश्वत का 'एक्सपर्ट'।" परिवार: भोपाल का रहने वाला, दो बच्चों का बाप।

कांस्टेबल सौरभ आर्य (28 वर्ष): थाने में 2 साल का अनुभव। दोस्तों का आरोप: "मारपीट में सबसे आगे।" दोनों फरार, पुलिस लुकआउट नोटिस जारी। अन्य 3-4 जवान लाइन अटैच।

पुलिस ने कहा, "क्क्ष्स्तर की जांच। दोषी बर्खास्त होंगे।" लेकिन परिवार: "वर्दी बचाने का खेल।"

# पुलवामा शहीद के बेटे को मिली इस खास टीम में एंट्री! क्रिकेट के नए सितारे को देख सहवाग ने कहा- मुझे गर्व है

(जीएनएस)।

पुलवामा शहीद विजय सोरेंग के बेटे युवा क्रिकेटर राहुल सोरेंग को हरियाणा अंडर-19 टीम में चुना गया है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने इस खास टीम में चुने जाने पर राहुल को सोशल मीडिया के जरिए दिल से बधाई दी। राहुल का यह सफर देश के हीरो के बेटे के रूप में शुरू होगा। लेकिन वह अपनी हुनर से एक अलग पहचान बनाने की काबिलियत रखते हैं।

सहवाग ने दी राहुल को बधाई

राहुल सोरेंग 2019 से सहवाग इंटरनेशनल स्कूल में पढ़ाई कर रहे हैं। पुलवामा हमले के बाद सहवाग ने भारत के शहीद सैनिकों के बच्चों को मुफ्त शिक्षा और बोर्डिंग सुविधा देने की पहल की थी, जिसके तहत राहुल को यह अवसर मिला। सहवाग ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि राहुल सोरेंग को अंडर-19 हरियाणा टीम में चुने जाने पर बधाई। जब से उनके बहादुर पिता ने पुलवामा में शहादत प्राप्त की है, राहुल को सपोर्ट करना मेरे लिए सौभाग्य की बात रही है और मुझे उनके सफर पर बहुत गर्व है।

अंडर-16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी में दिखा चुके हैं कमाल

राहुल का क्रिकेट सफर लगातार ऊंचाइयों को छू रहा है। पिछले साल उन्होंने अंडर-16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी में हरियाणा का प्रतिनिधित्व किया था। राहुल की कहानी साहस और अवसर की शक्ति को बताने का काम करती है, जो उनके पिता के बलिदान की विरासत को आगे बढ़ा रही है। एक ओर जहां सहवाग युवा प्रतिभा को प्रोत्साहित कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उन्होंने राहुल के भविष्य के लिए भी शुभकामनाएं दी हैं।

भारत की अंडर-19 टीम में आने का सपना

शहीद विजय सोरेंग के बेटे राहुल सोरेंग के लिए हरियाणा अंडर-19 टीम में चयन आसान नहीं था। अंडर-19 टीम से पहले, राहुल का चयन हरियाणा की अंडर-14 और अंडर-16 टीमों में भी हो चुका है। फिलहाल, राहुल पुदुचेरी में हैं, जहाँ वह अपनी राज्य की टीम का प्रतिनिधित्व करते

## दूरसंचार विभाग और इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन (आईटीयू) द्वारा नई दिल्ली में इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2025 में 'एआई फॉर गुड समिट' की मेजबानी

(जीएनएस)।

दूरसंचार सचिव डॉ. नीरज मित्तल और दूरसंचार मानकीकरण नीति विभाग (टीएसबी) के निदेशक एवं प्रमुख के उप-प्रमुख श्री बिलेल जमौसी ने आज नई दिल्ली में आयोजित आईएमसी 2025 में इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन (आईटीयू) के "एआई फॉर गुड - इम्पैक्ट इंडिया" सम्मेलन 2025 का उद्घाटन किया। यह भारत में उत्तरदायी और समावेशी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) नवाचार को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस सम्मेलन में वैश्विक एआई क्षेत्र के दिग्गजों, नीति निमार्ताओं, उद्योग विशेषज्ञों, स्टार्ट-अप और शिक्षाविदों ने सतत विकास के लिए एआई के परिवर्तनकारी इस्तेमाल का पता लगाने हेतु एक मंच प्रदान किया।

इस कार्यक्रम का आयोजन दूरसंचार विभाग (डीओटी), संचार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन (आईटीयू) के सहयोग से किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य

स्वास्थ्य सेवा, कृषि, जलवायु अनुकूलन, डिजिटल समावेशन और सार्वजनिक सेवा वितरण जैसी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं का समाधान करने के लिए एआई प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाना है।

आईटीयू, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के लिए एक विशेष एजेंसी है, जिसकी स्थापना 1865 में निर्बाध नेटवर्क इंटरकनेक्शन, वैश्विक रेडियो स्पेक्ट्रम के आवंटन और उपग्रह कक्षाओं के लिए वैश्विक तकनीकी मानकों को विकसित करने और दुनिया भर में वंचित समुदायों के लिए डिजिटल पहुंच में सुधार करने के लिए की गई थी।

'एआई फॉर गुड समिट'

इस अवसर पर दूरसंचार विभाग के सचिव और डीसीसी के अध्यक्ष डॉ. नीरज मित्तल ने कहा, "हालांकि शिखर सम्मेलन का शीर्षक 'एआई फॉर गुड' है, लेकिन इसमें 'एआई फॉर बैड' भी शामिल है।

# आईपीएल 2026 मेगा ऑक्शन की तारीख तय! दिसंबर 13-15 को खिलाड़ियों पर होगी पैसों की बारिश, ये है रिटेंशन की लास्ट डेट

एशिया कप 2025 का रोमांच खत्म होते ही अब सभी की निगाहें IPL 2026 के ऑक्शन पर टिक गई हैं, जो इस बार कई बड़े बदलाव के साथ आ रहा है। टीमों के रीसेट होने से पहले ऑक्शन की संभावित तारीखें और खिलाड़ियों को रिटेन करने की समय सीमा सामने आ गई है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, BCCI ने इस हाई-वोल्टेज इवेंट के लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है, जहां कई बड़े नाम अपनी पुरानी फ्रेंचाइजी से अलग होते दिख सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के लिए ऑक्शन की तारीखें लगभग तय हो चुकी हैं।

संभावित ऑक्शन विंडो: क्ढछ 2026 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी दिसंबर के दूसरे या तीसरे सप्ताह में होने की संभावना है, जिसमें 13 से 15 दिसंबर की तारीखें सबसे आगे हैं। हालांकि, इउउक ने अभी तक इसे आधिकारिक रूप से अंतिम रूप नहीं दिया है।

रिटेंशन डेडलाइन: सभी फ्रेंचाइजियों को अपने खिलाड़ियों को रिटेन करने या रिलीज करने की अंतिम तारीख 15 नवंबर तय की गई है। इस तारीख तक सभी टीमों को उन खिलाड़ियों के नामों की घोषणा करनी होगी, जिन्हें वे ऑक्शन से पहले रिलीज कर रहे हैं।

ऑक्शन से पहले बड़े खिलाड़ियों की छुट्टी!

रिटेंशन डेडलाइन से पहले ही, कुछ बड़े खिलाड़ियों के रिलीज होने की खबरें सामने आ रही हैं, जिससे नीलामी का बाजार और गर्म हो सकता है:

रिलीज होने वाले संभावित खिलाड़ी: रिपोर्ट्स के मुताबिक, दीपक हूडा, विजय शंकर, राहुल त्रिपाठी, और सैम करन जैसे खिलाड़ी अपनी फ्रेंचाइजियों की रिलीज लिस्ट में शामिल हो सकते हैं।

CSK को फायदा: चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) को ऑक्शन में एक बड़ा फायदा मिलने वाला है। पूर्व में आर. अश्विन के रिटायरमेंट के कारण उनके पर्स में पहले ही ₹9.75 करोड़ की बड़ी रकम जुड़ चुकी है, जिससे उन्हें ऑक्शन में बड़ी बोली लगाने में मदद मिलेगी।

ऑक्शन वेन्यू और टीमों में संभावित बदलाव

इस बार ऑक्शन के आयोजन स्थल को लेकर भी अटकलें तेज हैं, जबकि टीमों के स्वरूप में भी फेरबदल की संभावना है।

ऑक्शन वेन्यू: पिछले दो साल (2023 में दुबई और 2024 में सऊदी अरब) विदेश में ऑक्शन आयोजित करने के बाद, इस बार BCCI का इसे भारत में ही आयोजित करने का कोई प्लान नहीं है। हालांकि, अगर अंतिम समय में कोई बदलाव होता है तो यह आश्चर्यजनक नहीं होगा।

# नारायण सेवा संस्थान द्वारा 12 अक्टूबर को लगेगा विशाल नारायण कृत्रिम अंग वितरण शिविर

**301 दिव्यांगजन को निःशुल्क लगाए जाएंगे 462 कृत्रिम अंग व कैलिपर**

लखनऊ, 10 अक्टूबर 2025 : नारायण सेवा संस्थान द्वारा 12 अक्टूबर को प्रातः 8 बजे से सायं 6 बजे तक दयाल गेटवे होटल, किसान बाजार, सिनेपोलिस मॉल के सामने, विभूति खंड, गोमती नगर, लखनऊ में निःशुल्क नारायण कृत्रिम अंग एवं कैलिपर फिटमेंट शिविर आयोजित किया जा रहा है।

यह शिविर नारायण सेवा संस्थान तथा मेक अ चेंज फाउंडेशन यूके और श्री स्वामीनारायण मंदिर, विल्सडेन, यूके के संयुक्त तत्वावधान में हो रहा है। इन संस्थाओं का सहयोग मानव सेवा के क्षेत्र में निरंतर मिलता रहा है। संस्थान के सहयोगी बनकर ये संस्थाएँ दिव्यांगों के जीवन उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

शुक्रवार को आयोजित प्रेस वार्ता में शिविर प्रभारी हरि प्रसाद लड्ढा ने बताया कि शिविर का शुभारंभ प्रातः 11 बजे किया जाएगा। इस अवसर पर केवल पूर्व चयनित लाभार्थियों को ही कृत्रिम अंग व कैलिपर लगाए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि इस शिविर में 146 दिव्यांगजनों को 164 कृत्रिम अंग तथा 155 दिव्यांगजनों को 298 कैलिपर लगाए जाएंगे। ये सभी लाभार्थी 13 जुलाई को आयोजित

निःशुल्क नारायण माप शिविर में चयनित हुए थे। कृत्रिम अंगों के सहारे वे एक बार फिर चलने-फिरने और सम्मानपूर्ण जीवन की ओर कदम बढ़ाएंगे।

लड्ढा ने बताया, ह्लनारायण सेवा संस्थान वर्ष 1985 से 'नर सेवा ही नारायण सेवा है' की भावना के साथ कार्य कर रहा है। संस्थान के संस्थापक श्री कैलाश मानव जी को उनके असाधारण मानवीय कार्यों के लिए भारत सरकार द्वारा पद्मश्री से सम्मानित किया गया है। हाल ही में 30 मई को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया ह्व

संस्थान के अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने चिकित्सा, शिक्षा, कौशल विकास और दिव्यांगों के लिए खेल अकादमी जैसे क्षेत्रों में लाखों जीवनों को सशक्त बनाया है। उन्हें भी वर्ष 2023 में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अब तक संस्थान द्वारा 40,000 से अधिक कृत्रिम अंग निःशुल्क लगाए जा चुके हैं।

पिछले 40 वर्षों से नारायण सेवा संस्थान भारत ही नहीं बल्कि केन्या, युगांडा, मेरू, तंजानिया और नेपाल जैसे देशों में भी दिव्यांगजनों की सेवा कर रहा है। प्रतिमाह लगभग 1,800 कृत्रिम अंग निःशुल्क प्रदान किए जाते हैं।

लखनऊ में यह शिविर उन लोगों के लिए नई उम्मीद लेकर आया है, जो कभी दुर्घटनाओं के बाद अपने परिवार पर बोझ महसूस करते थे। अब जर्मन तकनीक से निर्मित नारायण कृत्रिम अंगों की सहायता से वे फिर से अपने पैरों पर खड़े होकर समाज की मुख्यधारा में शामिल होंगे।

शिविर की गरिमा बढ़ाने हेतु दानदाताओं, गणमान्य नागरिकों एवं समाजसेवियों को आमंत्रित किया गया है। लाभार्थियों को निःशुल्क भोजन और फिटमेंट के बाद चलने का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। पहले लाभान्वित हो चुके दिव्यांगजन भी इस शिविर में आकर अपने अनुभव साझा करेंगे और नव-लाभार्थियों को प्रेरित करेंगे।

यह शिविर केवल कृत्रिम अंग वितरण का आयोजन नहीं है — यह आशा, गतिशीलता और आत्मनिर्भरता का उत्सव है। यह उन मुस्कानों की कहानी है जो कभी ठहर गई थीं, पर अब फिर से दौड़ने को तैयार हैं।

# मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ में जीवनरक्षक वैस्कुलर प्रक्रिया ने दिया नया जीवन, टांग कटने के खतरे से बचा 55-वर्षीय मरीज

लखनऊ, अक्टूबर 10, 2025: आजमगढ़ के एक 55-वर्षीय व्यक्ति को अपना पैर गंवाने का खतरा था, लेकिन, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ, के डॉक्टरों की सूझबूझ, त्वरित कार्रवाई और विशेषज्ञता की बदौलत उनका पैर पूरी तरह से ठीक हो गया है।

मरीज कई दिनों से बाएं पैर में गंभीर दर्द, कमजोरी, कालेपन और पैर को उठाने में असमर्थता से जूझने के बाद अस्पताल पहुंचे थे। जब तक वह आपातकालीन विभाग पहुंचे, उनका पैर ठंडा और पीला पड़ चुका था, जो इस बात के संकेत थे कि पैर में रक्त का प्रवाह गंभीर रूप से बाधित हो चुका था। डाक्टरों द्वारा जांच और आगे के परीक्षण, जिसमें एंजियोग्राफी भी शामिल थी, से पता चला कि उसके बाएं पैर की दो प्रमुख धमनियों में - एक कूल्हे के पास और दूसरी घुटने के पीछे - पूरी तरह से रुकावट थी, जिसने पैर तक रक्त की आपूर्ति पूरी तरह बाधित कर दी थी। तत्काल उपचार न किया जाता, तो पैर काटना ही एकमात्र विकल्प बचता था।

मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ, की इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी टीम — डॉ. शाहबाज मोहम्मद खान, एसोसिएट डायरेक्टर, और डॉ. स्विस कुमार सिंह, सीनियर कंसल्टेंट — ने मरीज और परिवार की काउंसलिंग के बाद, रक्त प्रवाह की रुकावट को दूर करने के लिए एक इमरजेंसी मिनिमल इनवेसिव वैस्कुलर सर्जरी करने का निर्णय लिया।

इस मामले पर जायदा जानकारी देते हुए, डॉ. शाहबाज मोहम्मद खान, एसोसिएट डायरेक्टर- इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ, ने कहा, "यह एक बहुत ही गंभीर और पेचीदा मामला था क्योंकि रोगी हमारे पास बंद धमनियों के साथ आए थे। ऐसी स्थितियों में, यदि उपचार में देरी होती है, तो क्षति स्थायी हो सकती है और उनका बायां पैर काटना ही एकमात्र विकल्प बचता है। हमने ओपन सर्जरी के बजाय मिनिमली इनवेसिव तरीके को चुना, जिसमें कैथेटर-निर्देशित थ्रोम्बोलिसिस, स्टेंटिंग और मैकेनिकल थ्रोम्बेक्टोमी शामिल थे। हमें रुकावट को हटाने और रक्त प्रवाह को जल्दी से बहाल करने की मदद की। प्रक्रिया के तुरंत बाद रक्त प्रवाह सामान्य हो गया, और मरीज फिर से अपना पैर उठा पा रहे थे।"

मामले पर आगे जानकारी साझा करते हुए, डॉ. स्विस कुमार सिंह, सीनियर कंसल्टेंट - एंडोवास्कुलर और इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ, ने कहा, "एक्यूट लिम्ब इस्किमिया जैसे मामलों में, समय पर इलाज शुरू करना एक महत्वपूर्ण बदलाव ला सकता है। एक मिनिमली इनवेसिव तकनीक को चुन कर, हमने ओपन सर्जरी की आवश्यकता के बिना ब्लॉकेज को दूर करने और रक्त प्रवाह बहाल करने के लिए तुरंत कार्रवाई की। ऐसे तरीकों से न केवल रोगियों को तेजी से ठीक होने में मदद करते हैं, बल्कि पैर काटने की आवश्यकता को भी समाप्त कर देते हैं। एक्यूट लिम्ब इस्किमिया के ऐसे मामलों में 8 घंटे से अधिक देरी होने पर 80 फीसदी पैर कटने की संभावना बनी रहती है।"

मरीज अब ठीक हैं। यह सर्जरी मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ, की विशेषज्ञता का प्रमाण है कि वह आपातकालीन मामलों के लिए आधुनिक, न्यूनतम इनवेसिव तकनीकों का उपयोग करके रोगियों के जीवन पर नकारात्मक प्रभाव डालने वाले परिणामों से बचाता है।

# परिवहन आयुक्त श्री राज कुमार सिंह ने संभाला कार्यभार

अयोध्या। उप परिवहन आयुक्त श्री राज कुमार सिंह ने शुक्रवार को कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने संभागीय परिवहन अधिकारी व सहायक संभागीय अधिकारी से कार्यों की जानकारी ली। श्री राज कुमार सिंह इससे पूर्व मेरठ में आरटीओ प्रवर्तन के पद पर तैनात थे। आरटीओ प्रशासन ऋतु सिंह ,आरटीओ प्रवर्तन विश्वजीत प्रताप सिंह एआरटीओ डॉ आरपी सिंह मोटर यान निरीक्षक राजीव कुमार के अलावा कर्मचारियों ने भी पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया। इससे पूर्व नवागत उप परिवहन आयुक्त ने सभी अधिकारियों कर्मचारियों से परिचित हुए। शासन स्तर से तीन नए जोन गठित किए गए थे। जिनमें अयोध्या गोरखपुर और झांसी परिक्षेत्र है। इसी क्रम में अयोध्या जोन के उप परिवहन आयुक्त के रूप में राज कुमार सिंह ने कार्यभार संभाला।

# झाड़-फूंक का झांसा देकर लोगों को ठगने वाला एक जालसाज और एक महिला गिरफ्तार : दिल्ली से आकर लोगों को अंधविश्वास में लेकर कर रहे थे ठगी

मथुरा (जीएनएस)। थाना सुरीर क्षेत्र स्थित सिकंदरपुर के पास से झाड़-फूंक का झांसा देकर लोगों को ठगने वाले एक जालसाज और एक महिला को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी सुरीर अजय कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ वांछित अपराधियों की तलाश में दबिशें दे रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि भोले-भाले लोगों को झाड़-फूंक करने का झांसा देकर ठगी करने वाला एक जालसाज और उसकी साथी महिला, सिकंदरपुर के पास खड़े हुए हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस ने झाड़-फूंक का झांसा देकर ठगी करने वाले जालसाज अब्दुल सत्तार पुत्र अजीम बख्श निवासी झुग्गी सुंदर नगरी थाना नंद नगरी, नार्थ ईस्ट (दिल्ली) और उसकी एक महिला साथी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पकड़े गए जालसाजों के कब्जे से झाड़-फूंक में प्रयोग करने वाली को 51 पुड़ियां बरामद की हैं। प्रत्येक पुड़िया में एक प्लास्टिक की तेल की शीशी, लोहे का छल्ला, एक पुड़िया में 19 लोहे के छल्ले, एक 250 ग्राम की बिसलरी पानी की बोतल और कार बरामद की है। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

# केएम विवि में हुआ विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर विविध कार्यक्रम : मन टूटता है तो इसका इलाज भी उतना ही जरूरी है, जितना शारीरिक बीमारी का : किशन चौधरी

**-मेंटल हेल्थ सही नहीं होगी तो पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ होगी प्रभावित : कुलपति**

**-मानसिक स्वास्थ्य को भी इमरजेंसी रेस्पॉन्स सिस्टम का हिस्सा बनाएं : प्रति कुलपति**

मथुरा (जीएनएस)। केएम विश्वविद्यालय में "आपदा और आपातकालीन परिस्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य" थीम पर वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे (विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस) मनाया गया। जिसका आयोजन मनोरोग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. हरीश चंद्र, डा. नम्रता भारद्वाज और डा. नमित गौतम समेत विभागीय रेजीडेंट डाक्टर्स ने किया। विवि में वर्ल्ड मेंटल हेल्थ-डे पर पोस्टर प्रतियोगिता, साइकियाट्री क्विज प्रतियोगिता समेत विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए।

जिसका शुभारंभ विवि के कुलाधिपति किशन चौधरी, कुलपति डा. एनसी प्रजापति, प्रति कुलपति डा. शरद अग्रवाल, कुलसचिव डा. पूरन सिंह और मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे ने मां सरस्वती की मूर्ति पर माला पहनाकर और दीप प्रज्जवलित करके किया। कार्यक्रम में एमबीबीएस के छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कुलाधिपति किशन चौधरी ने कहा कि लोग सोचते हैं कि जब हालात ठीक हो जाएंगे, तो मन भी अपने आप ठीक हो जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं होता। जब मन टूटता हैं तो इसका ईलाज भी उतना ही जरूरी है, जितना किसी शारीरिक बीमारी का। कहा कि लोग सफलता पाने के लिए दौड़ रहे हैं,

बिगड़ी हुई लाइफ स्टाइल और हद से ज्यादा स्ट्रेस लेकर सफलता भले ही न मिले लेकिन इससे मेंटल हैल्थ समस्या जरूर मिल जाती हैं। जिसके प्रति हम सभी को सजग होने और दूसरों को जागरूक करना चाहिए। वहीं कुलपति डा. एनसी प्रजापति ने कहा कि मेंटल हेल्थ को सही रखकर ही ओवरऑल हेल्थ को दुरुस्त रखा जा सकता है, अगर किसी व्यक्ति की मेंटल हेल्थ सही नहीं होगी, तो उसकी पर्सनल लाइफ से लेकर प्रोफेशनल लाइफ बुरी तरह प्रभावित होने लगेगी। कार्यक्रम में प्रति कुलपति डा. शरद अग्रवाल ने मेंटल हेल्थ-डे थीम "आपदा और आपातकालीन परिस्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य" पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आपदा या इमरजेंसी की हालत में अगर मानसिक और शारीरिक दोनों तरह की देखभाल साथ में मिले, तो इंसान जल्दी संभलता है। यह जरूरी है कि हम मानसिक स्वास्थ्य को भी इमरजेंसी रेस्पॉन्स सिस्टम का हिस्सा बनाएं। इसी के साथ एसोसिएट प्रोफेसर डा. नमित गौतम ने कहा कि शरीरिक चोट तो भर जाती है, लेकिन मन की शांति लौटने में वक्त और सहारा दोनों लगते हैं। वहीं कार्यक्रम को मेडीकल प्राचार्य पीएन भिसे ने संबोधित किया। इससे पूर्व एमबीबीएस छात्रों के लिए विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और छात्रों में रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना था। वहीं मनोरोग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. हरीश चंद्र द्वारा "मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता" विषय पर एक प्रेरणादायक टॉक-शो प्रस्तुत किया। इसीक्रम में एसोसिएट प्रोफेसर डा. नम्रता भारद्वाज ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के वर्ष 2025 के थीम सेवाओं तक पहुंच, आपदा और आपातकालीन परिस्थितियों में मानसिक स्वास्थ्य पर विस्तार से चर्चा की। एसोसिएट प्रोफेसर डा. नमित गौतम द्वारा एक रोचक साइकियाट्री क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के महत्व पर अपने विचार साझा किए।

इसके अतिरिक्त मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने के लिए एक लघु फिल्म (शॉर्ट फिल्म) भी प्रदर्शित की गई। विभिन्न प्रतियोगिता के विजेता एमबीबीएस के छात्र-छात्राओं को कुलाधिपति ने ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर पुरूस्कृत किया। कार्यक्रम में केएम हॉस्पिटल के मेडीकल सुपीटेंड डा. अभय शूद, एडीशनल मेडीकल सुप्रीटेंड डा. आरपी गुप्ता के अलावा सभी फैकल्टी के विभागाध्यक्ष, पीजी डाक्टर्स और एमबीबीएस के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डा. नमित गौतम ने किया तथा डा. हरीश चन्द्र ने सभी का आभार व्यक्त किया।

# इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया में टीम लखनऊ के योद्धाओं को किया गया सम्मानित

**टीम लखनऊ ने पंजाब और हिमांचल प्रदेश के बाढ़ पीड़ित परिवारों की मदद करके लखनऊ का नाम किया रोशन**

**मुश्किल में पड़े इंसानों की मदद करना एक बहुत बड़ी इबादत है : मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली**

लखनऊ। पैगम्बर हजरत मोहम्मद साहब (स.अ.व.) ने अल्लाह की मखलूक (प्राणियों) के साथ अच्छा बर्ताव करने और जरूरतमंदों की मदद करने की तालीम दी है। इसलिए, मुश्किल में पड़े इंसानों की मदद करना एक बहुत बड़ी इबादत है।यह बात लखनऊ के शाही इमाम मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने उस अवसर पर कही जब टीम लखनऊ ने पंजाब और हिमाचल प्रदेश में बाढ़ से प्रभावित लोगों की सेवा के पश्चात लौटकर इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया में अपने राहत अभियान की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

इस अवसर पर मौलाना खालिद रशीद साहब ने टीम लखनऊ के सभी सदस्यों मुर्तजा अली, कुदरत उल्ला खान, जुबैर अहमद, अब्दुल वहीद, जशबीर गांधी और वामिक खान का शाल और फूलों की माला पहनाकर स्वागत किया और उनकी सेवाओं की भूरी-भूरी प्रशंसा की।इस अवसर पर टीम लखनऊ के लीडर ने इस अभियान में मदद करने वाले सभी संस्थाओं का शुक्रिया अदा किया।टीम लखनऊ के मीडिया प्रभारी अब्दुल वहीद ने बताया कि पंजाब में टीम लखनऊ ने सेना के सहयोग से एक सप्ताह तक लगभग 30 टन राहत सामग्री बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में बांटी जबकि टीम लखनऊ के जांबाज योद्धा हिमांचल प्रदेश की दुर्गम पहाड़ियों की चोटी तक सेना की मदद से लगभग 10 टन राहत सामग्री जरूरतमंदों के बीच पहुंचाया।पंजाब और हिमांचल प्रदेश में लगातार 12 दिनों तक बाढ़ पीड़ितों की ऐतिहासिक मदद करने वाली टीम में मुतुर्जा अली)टीम लीडर, अब्दुल वहीद (संस्थापक सदस्य), जुबैर अहमद (संस्थापक सदस्य), कुदरत उल्ला खान (संस्थापक सदस्य), जशबीर गांधी (संस्थापक सदस्य), वामिक खान (संस्थापक सदस्य), शाहबाज खान (सदस्य),

एडविन ( सदस्य), निहिल (सदस्य),

इरफान शेख (सदस्य)आदि प्रमुख थे।

# फरह पुलिस की दबिशों से घबराकर शिपमेंट कंपनी के सामान को चोरी करने वाले शातिर खुद पहुंचे थाने : पुलिस ने पूछताछ के बाद 11 लाख रूपए किए बरामद

मथुरा (जीएनएस)। थाना फरह क्षेत्र में पार्सल शिपमेंट कंपनी के कीमती माल को षडयंत्र बनाकर धोखाधड़ी करने वाले दो शातिरों ने फरह पुलिस की दबिशों से घबराकर परिजनों के साथ थाना फरह पहुंच गए। पुलिस ने दोनों शातिरों को पूछताछ करने के बाद गिरफ्तार कर लिया। इसी के साथ कंपनी के माल बेचकर प्राप्त किए गए 11 लाख रुपए भी बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार पिछले दिनों शिपमेंट कंपनी के माल को षडयंत्र बनाकर चोरी करने वाले शातिरों को पकड़ने के लिए थाना प्रभारी फरह त्रिलोकी सिंह, अतिरिक्त निरीक्षक क्राइम यशपाल सिंह और कस्बा चौकी प्रभारी अजय मलिक पुलिस टीम के साथ दबिशें दे रहे थे। पुलिस की दबिशों से घबराकर कंपनी का माल चोरी करने वाले शातिर घबरा गए। पुलिस की दबिशों से घबराकर शातिर नितिन पुत्र स्व. वेदप्रकाश निवासी गली जांडवाली पतरामगेट नियर सुनारों की गौशाला भिवानी थाना भिवानी जिला भिवानी (हरियाणा) औरत विकास पुत्र महेन्द्र सिंह निवासी खुशखेड़ा रोड़ प्रधान कॉलोनी नियर महाराजा पैलेस टपोखरा थाना टपोखरा जिला खैरतल

तिजारा (राजस्थान) अपने परिजनों के साथ थाना फरह पहुंच गए। वहां थाना प्रभारी त्रिलोकी सिंह, अतिरिक्त निरीक्षक क्राइम यशपाल सिंह और कस्बा चौकी प्रभारी अजय मलिक ने पूछताछ करने के बाद शातिरों को गिरफ्तार कर लिया। इसी के साथ पुलिस ने पकड़े गए शातिरों की निशानदेई से चोरी का माल बेचकर प्राप्त किए गए 11 लाख रूपए भी बरामद किए हैं। बताते चलें कि पकड़े गए शातिरों ने षडयंत्र बनाकर धोखाधड़ी करके शिपमेंट कंपनी 57 लाख 44 हजार कीमत के 134 (इंटेल प्रोसेसर) वास्तविक शिपमेंट्स चोरी करके उनकी जगह नकली शिपमेंट बदल दिए थे। इससे पूर्व फरह पुलिस ने संजय सिंह पुत्र रेशमपाल सिंह और गोविंद पुत्र डालचन्द्र को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पुलिस ने शातिर नितिन और विकास से पूछताछ की तो बताया कि उन्होंने अनुज, सोनू, संजय, विकास और गोविन्द के साथ मिलकर फर्जी मोबाइल नम्बरों से फर्जी पते दर्शाकर हाई वेल्यू पार्सल इन्टेल प्रोसेसर के आर्डर कर दिये थे। शातिरों ने बताया कि कंपनी का सामान फरह हब पर आया था। इसके बाद उन्होंने उनमें से असली सामान चोरी करके और उसकी जगह खराब सामान रखकर दिये गए पते पर डिलिवर ना करके आर्डर कैंसिल करके कंपनी को वापस कर दिया था। इसके बाद शातिरों ने कंपनी के सामान को बेचकर रुपए आपस में बांट लिए थे। वहीं पकड़े गए शातिरों के साथी अनुज ने बदले गए ओरिजिनल सामान को दिल्ली में जाकर बेचा था। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

# कलर्स के 'धमाल विद पति पत्नी और पंगा - जोड़ियों का रियलिटी चेक' में अविका गौर और मिलिंद चंदवानी की शादी पर हिना खान ने साझा किया अपने दिवंगत पिता को याद करने का दर्द

भारत में शादियाँ सिर्फ. एक रस्म नहीं बल्कि प्यार, परिवार और जीवनभर के रिश्तों का उत्सव होती हैं। वही जादू देखने को मिला टेलीविजन की बिग फैट वेडिंग में - अविका गौर और मिलिंद चंदवानी की शादी, कलर्स के शो 'धमाल विद पति पत्नी और पंगा - जोड़ियों का रियलिटी चेक' के सेट पर। ढोल-नगाड़ों की गूंज, हँसी-खुशी का माहौल और हर चेहरे पर मुस्कान ने इस सेट को साथपन और प्रेम के उत्सव में बदल दिया। दूल्हा-दुल्हन की बेहतरीन कैमिस्ट्री ने इस दिन को परियों की कहानी जैसा बना दिया, लेकिन सबसे दिल छू लेने वाला लम्हा आया जब टीवी की क्वीन हिना खान ने भावुक होकर अपनी सच्ची भावनाएँ सबके सामने रखीं।

हिना ने बताया कि कैसे अविका और मिलिंद की हल्दी सेरेमनी ने उन्हें और उनके पति रॉकी को अपने ही विवाह की याद दिला दी। उन्होंने खुलासा किया कि वे दोनों घर पर बैठकर फूट-फूटकर रो पड़े थे, क्योंकि उन्हें अपने पिताओं की बहुत याद आई। हर माता-पिता के लिए अपने बच्चे की शादी जीवन का सबसे बड़ा और भावुक पल होता है।

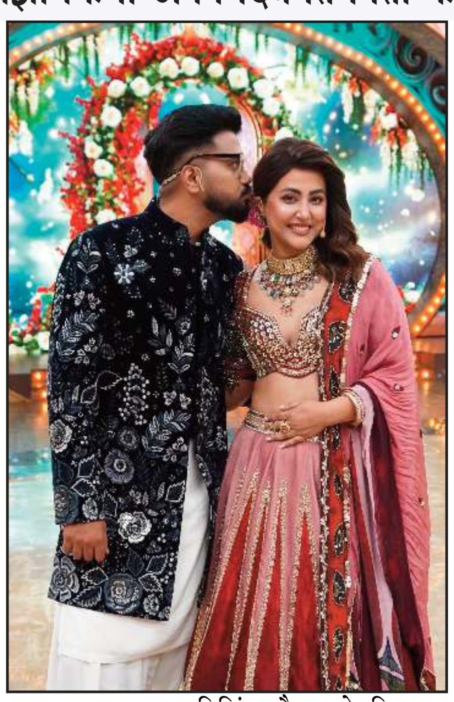

अपने विवाह को याद करते हुए हिना बोलीं, ह्लमुझे याद है जब रॉकी और मैंने शादी की थी, हम दोनों अपने पिताओं को बहुत मिस कर रहे थे क्योंकि वो हमारे साथ नहीं थे। मैंने अपनी शादी की सारी रस्में अपने पिता की तस्वीर अपने पास रखकर कीं, ताकि मुझे लगे कि वो मेरे साथ हैं। अविका और मिलिंद के माता-पिता को साथ देखकर मैं बहुत भावुक हो गई, खासकर मिलिंद और उनके पिता का रिश्ता देखकर। सबसे बड़ी दुआ यही है कि उनकी शादी के इस बड़े दिन पर उनके माता-पिता उनके साथ हैं, उन्हें पूरे दिल से प्यार और आशीर्वाद दे रहे हैं। जब मैंने देखा कि मिलिंद के पिता हल्दी के समय सबको रोक रहे थे कि कोई उनके बेटे के कपड़े न फाड़े या उसे चोट न पहुँचाए, तो मेरा दिल छू गया। उस पल ने हमें बहुत खुश किया क्योंकि उसमें वही ममता और सुरक्षा थी जो सिर्फ. माता-पिता ही दे सकते हैं ह्व

निविया बॉडी मिल्क प्रस्तुत करता है 'धमाल विद पति पत्नी और पंगा - जोड़ियों का रियलिटी चेक', को-पॉवर्ड बाय शुगर फ्री ग्रीन, कैडबरी डेयरी मिल्क, पोअर होम एयर फ्रेशनर्स, एन्वी परफ्यूम्स, लॉरियल पेरिस हायलूरॉन प्योर और अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल। स्पेशल पार्टनर्स- कोलगेट और एचडीएफसी लाइफ। देखिए हर शनिवार और रविवार रात 9:00 बजे, सिर्फ. कलर्स पर।